



न्यायियों 1





यहोशू के जीवनकाल में इस्राएल के लोगों ने यहोवा की सेवा की।

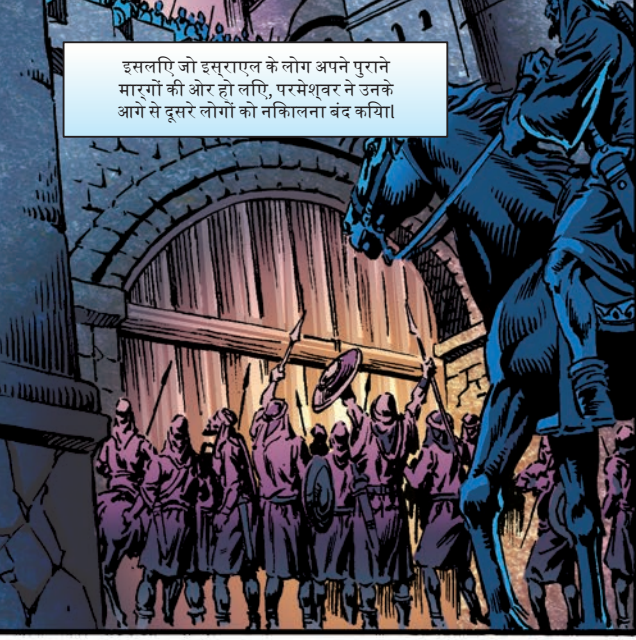


यहोशू की मृत्यु के बाद लोग प्राचीनों के अनुसार चलने लगे जिन्होंने परमेश्वर के महान कामों को देखा था जो उसने इस्राएल के लिए किए थे।



तब अगली पीढ़ी आई, जो ना तो यहोवा को जानती थी ... ना ही उन कामों को जो उसने इस्राएल के लिए किए थे।

इसलिए जो इस्राएल के लोग अपने पुराने मार्गों की ओर हो लगे, परमेश्वर ने उनके आगे से दूसरे लोगों को निकालना बंद किया।



परमेश्वर ने उन लोगों को इस्राएलियों के चारों ओर रखा - यह देखने के लिए कि क्या वे अपने पूरे मन से उसके पीछे चलते हैं।



इस नई पीढ़ी को किसी भी प्रकार के युद्ध एवं विश्वास की परीक्षा का अनुभव नहीं था। उनके पुरखों ने उस वायदे किए हुए देश को अपने कवजे में लेते हुए सब कुछ सहन किया था।



यहोशू की पुस्तक में लोग पूरे दिल से यहोवा की आज्ञा मानते थे....और बड़ी वज्रिय का जश्न मनाते थे।

परन्तु न्यायियों की पुस्तक की अगली कड़ी में दुःखद वर्णन है जो उनके आज्ञा उल्लंघन - और हार के बारे में बताता है।



परमेश्वर की स्पष्ट आज्ञा ना मानते हुए, इस्राएली कनानी लोगों में ब्रिवाह करने लगे - और उनके देवताओं की उपासना करने लगे और वहाँ उपासना के लिए बहुत देवता थे



और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर को त्यागकर घातक गलती की

बाल, सीदोनियों के देवता, हमें भी बलवान और सन्तान की आशीष दे जैसे तुने कनान के लोगों को दी है।

अशतोरेत - मुझे एक नर बच्चा दो और मेरे गर्भ के फल को आशीष दो।



हमें अपनी देवी अशतोरेत की उपासना करनी चाहिए।

इन पुरुषों से पैदा होने वाली संतान बहादुर - और बलवान होगी।



बाल मेरे परिवार का देवता होगा। वह मौसम को नियंत्रित करता है और मेरी फसल की पैदावार को बढ़ा सकता है।

हाँ, क्या कोई उस परमेश्वर की उपासना कर सकता है जसि वह नहीं देख सकता?



क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि कनानी लोग जानते थे कि वे क्या कर रहे थे?

तुम सही कह रहे हो! हमारे पुरवजों के परमेश्वर यहावा की उपासना अब चलन से बाहर है।

मैं इस प्रकार की उपासना का आनन्द उठा सकता हूँ।



ईल परम प्रधान कनानी देवता था। वह बेकाबू वासना का देवता था और इसके साथ एक खूनी तानाशाह था।



उसका पुत्र बाल "आकाश का देवता" था जो मौसम और तूफानों को वश में रखता था।

लोग उसकी ओर आशा लगाते थे कि वह उन्हें संतान दे और उनकी फसलों को सुरक्षित रखे।



लोग उसके लिए बल चिढ़ाते थे और उसके सम्मान में गंदे काम करते थे।



उसके मन्दिर के भीतर पुरुष और औरतें लुचपन के कामों में लपित पाए जाते थे।



उसकी पत्नी को अशतोरेत कहा जाता था और वह जननांग और युद्ध की देवी थी।



इसके अलावा भत्तिन भत्तिन लोगों के और भी स्थानीय देवता थे।

क्योंकि जो इस्राएल के लोग परमेश्वर से पीछे हट गए थे इस कारण परमेश्वर ने उन पर सात वर्ष का कठोर अत्याचार होने दिया...



पर हर समय, जब लोगों ने परमेश्वर की दोहाई दी, परमेश्वर किसी एक छुड़ाने वाले को भेज देता था।

मेसोपोटामिया के राजा कुशन - रशिआतइम ने, आठ वर्षों तक इस्राएलियों को अपने अधीन रखा।



मैं इस लालची राजा से अपना अनाज छपा छपा कर थक गया हूँ।

वह हमारे अनाज और हमारी औरतों को ले जाता है।



परमेश्वर का क्रोध हमारे ऊपर भड़का है क्योंकि हमने उसको त्याग दिया है।

मूसा ने कहा था कि यही होगा यदि तुम दूसरों के देवताओं के पीछे चलोंगे।

वस अब बहुत हो गया...

तब लोगों ने परमेश्वर की दोहाई दी, और उसने कालेब के छोटे भाई, ओत्नीएल को उहराया, जो वायदे किए हुए देश को लेने के लिए यहोशू के साथ था।



आओ हम ओत्नीएल के साथ चले - यहोवा उसके संग है।



परमेश्वर ने राजा को ओत्नीएल के अधीन में कर दिया और चालीस साल तक इस्राएल के बारह गोत्रों में शांति बनी रही।





इव्रियों का एहद
इव्रियों की ओर से
भेंट लेकर आया है।

राजा से कह...
मेरे पास उसके लिए
एक नजि संदेश है।



हे राजा,
तेरे लिए मेरे
पास एक गुप्त
संदेश है।



खामोश!
सभी बाहर
चले जाओ।



मेरे पास एक संदेश है....

शायद इसे सोने के
गुप्त खजाने का मालूम
है जो दूसरे इव्री
छुपा रहे थे...



परमेश्वर
की ओर से...



...तेरे लिए



पूरे देश से इस्राएली इकट्ठा हुए और एहूद के पीछे हो लगे। उन्होंने कोई दस हजार मोआबियों को मार डाला और अपने देश को वापस ले लिया।



इस हस्से को घेर लो - इसी स्थान से वे यरदन पार जा सकते हैं।



और तब अस्सी वर्ष तक देश में शान्ति बनी रही।

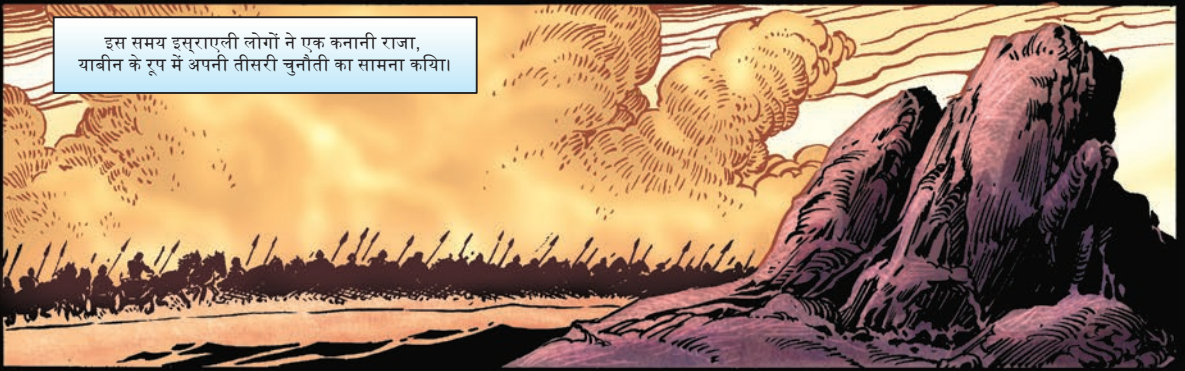


इस समय के दौरान एक और न्यायी शमगर ने, इस्राएलियों की सुरक्षा को यकीनी बनाया, उसने छः सौ पलश्ती पुरुषों को बेल के पौने से मार डाला।

अस्सी वर्ष के बाद, लोगों ने सच्चे परमेश्वर यहोवा को छोड़ उस देश के देवताओं की पूजा करनी शुरू कर दी।



इस समय इस्राएली लोगों ने एक कनानी राजा, याबीन के रूप में अपनी तीसरी चुनौती का सामना किया।



राजा याबीन क्रूर था।

अपने शासन के दौरान सेनापति सीसरा की अगुवाई में उसने 900 लोहे के रथों से उन पर अंधेर किया।



सेना अजय थी और 20 साल के लिए इस्राएल के लोगों ने अंधेर सहन किया।

दबोरा के खजूर - 1260 ई.पू. न्यायी नबिया
दबोरा ने उन सभी की अगुवाई की जो
परमेश्वर की इच्छा के चाहने वाले थे।



उन्होंने मेरे
अनाजों से भरे
खलहियों को
जला दिया।

सपिाही मेरी
एकलौती बेटी
को ले गए।

हमने यहोवा को
पुकारा - परन्तु
उसने नहीं सुना।

हमारे पापों ने हमें
परम प्रधान की आशीषों
और सुरक्षा से अलग
किया है।



यहोवा ने कहा था
यदि तुम इस देश के देवताओं
के पीछे चलोगे तो
दुःख उठाओगे।

हमने बहुत
पाप किया है।

मेरे पति ने अपने गाँव में बाल की मूर्त को
गरि दिया। हम केवल परम परमेश्वर की
उपासना करेंगे - और उसके आदेशों का
पालन करेंगे।



फरि से, उन्होंने
मदद के लिए पुकारा।



बाराक को बुलवा भेजो।
उसे मेरे पास लाओ।



आपने अपने दास
बारक को बुलवाया।



परभु ने मुझे
नरिदेश दिया है।

उसने आज्ञा दी, कि तु
जाकर ताबोर पहाड़ पर चढ़
और नपूतालियों और
जबूलुनियों में के दस हजार
पुरुषों को संग ले जा।



परभु सीसरा के रथों और भीड़-भाड़ समेत
कीशोन नदी तक तेरी ओर खींच ले आएगा;
और उसको तेरे हाथ में कर देगा।



यदि तू मेरे संग
चलेगी तो मैं जाऊँगा,
नहीं तो न जाऊँगा।



ठीक है।



मैं तेरे संग चलूँगी। तौभी इस यात्रा
से तेरी तो कुछ बड़ाई न होगी, क्योंकि यहोवा
सीसरा का एक स्त्री के अधीन कर देगा।

जबूलून और तपताली लोगों में से दस हजार पुरुष
लड़ाई के लिए बाराक के पीछे हो लगे।

... और दबोरा उसके साथ गई।





लड़ाई के कोलाहल से दूर हेबेर और उसकी पत्नी याएल ने डेरा किया हुआ था।

वे कनानी थे और मूसा की पत्नी सफ़िरा के वंश के थे।



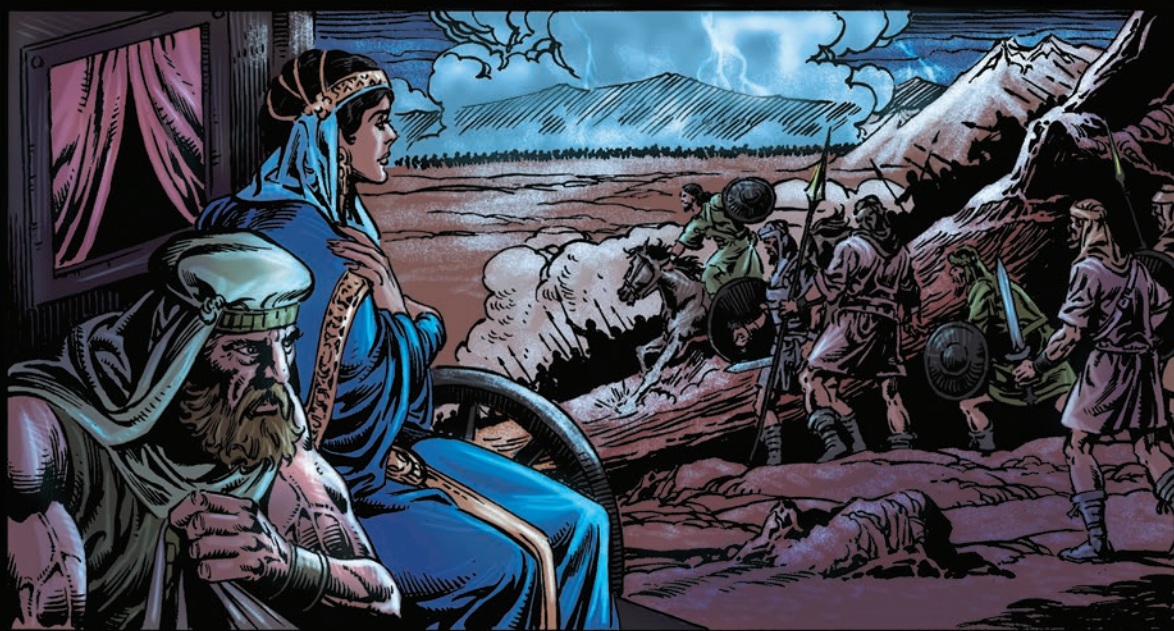
वे खानाबदोश थे जो इस्राएलियों के साथ रहते थे और उनसे अच्छा संबंध रखते थे।



सीसरा और उसकी सेना अपने मजबूत रथों से कलि से बाहर निकले।



अंतमि रूप से लड़ने के लिए - और उसके लिए मरने वालों को देखना।

















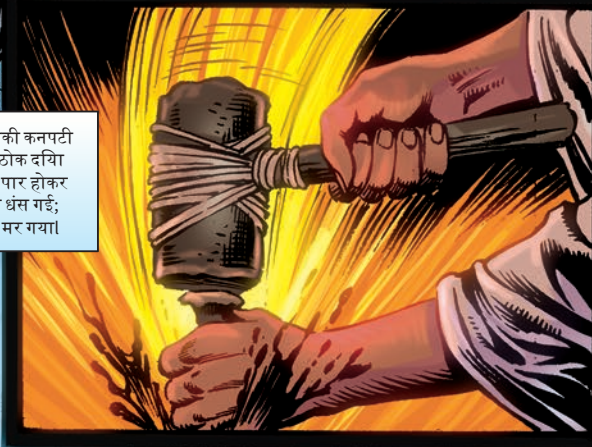
पर बाएल ने एक खूँटी ली...

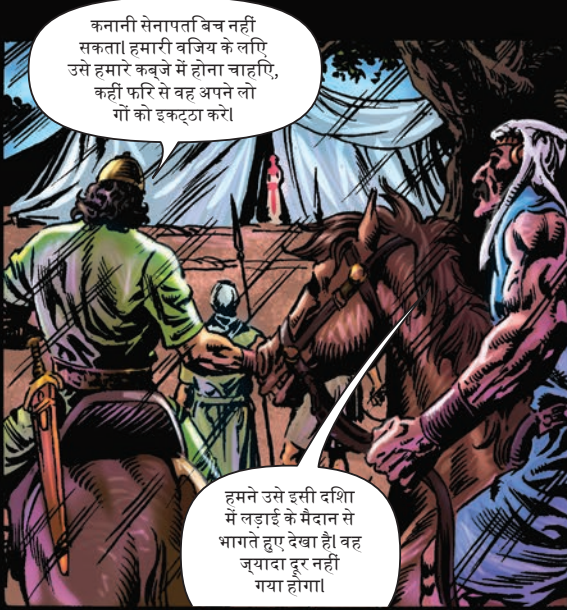


....और दबे पाँव
उसके पास गई जहाँ
वह थकान से गहरी
नींद में सोया हुआ था।



उसने उसकी कनपटी
में ऐसा ठोक दिया
क'खूँटी पार होकर
भूमी में धँस गई;
सो वह मर गया।





उसी दिन उन्होंने दबोरा का यह गीत गाया।

जब इस्राएल के अगुवों ने
अगुवाई की और प्रजा अपनी ही
इच्छा से भरती हुई - इसके लिये
यहोवा को धन्य कहा!

हे राजाओं, सुनो! मैं आप
इस्राएल के परमेश्वर यहोवा
के लिये गीत गाऊँगी।

यहोवा के प्रताप
से पहाड़, इस्राएल के
परमेश्वर यहोवा के
प्रताप से वह सीने
पधिलकर बहने लगा।

जब तक मैं दबोरा न उठी,
जब तक मैं इस्राएल में
माता होकर न उठी, तब
तक गाँव सूने पड़े थे।

जब उन्होंने नये देवता चुने,
उस समय फाटकों में
लड़ाई होती थी।

कनान के राजा मगदिदो
के सोंतों के पास लड़े;
पर रूपयों का कुछ
लाभ न पाया।

आकाश की ओर
ताराओं ने लड़ाई की।
कीशोन नदी ने उनको
बहा दिया।

हे यहोवा, तेरे सब
शत्रु ऐसे ही नाश
हो जाएँ!

परन्तु उसके प्रेमी
लोग प्रताप के साथ
उदय होते हुए सूर्य
के समान तेजोमय हों।

फरि देश में चालीस वर्ष तक शान्तरिही।



"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."



SUPERBIBLE.TV